अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–जीव-अजीव–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

जीव–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) जीव को सत्व क्यों कहा गया है?

(ख) रंगण का क्या तात्पर्य है?

(ग) जीव को वेद क्यों कहा गया है?

(घ) जीव को पुदगल क्यों कहा गया है?

(ङ) जीव को जगत क्यों कहा गया है?

अजीव–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) तेजस शरीर किसे कहते हैं?

(छ) संयोग किसे कहते हैं?

(ज) काल का माप किस आधार पर किया गया है?

(झ) धर्म-अधर्म आकाश और काल का क्षेत्र प्रमाण कितना है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **जीव**–सुविनीत व अविनीत किसे कहा है? ये भाव जीव कैसे हैं? ***अथवा*** परिणामी नित्य से क्या तात्पर्य है?

(ख) **अजीव**–पुदगल के चारों भेदों की स्थिति क्या है? ***अथवा*** काल की पर्याय अनंत कैसे है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) **जीव**–द्रव्य जीव को विस्तार से समझाएं। ***अथवा*** नव पदार्थों में जीव कितने हैं अजीव कितने? स्वामी जी ने नव पदार्थ किसे कहा है? इन पदार्थों का ज्ञान हमें क्यों करना चाहिए?

(ख) **अजीव**–पुदगल का क्या स्वरूप है? ***अथवा*** धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय व आकाशास्तिकाय के कितने भेद हैं?

अवबोध (जीव से संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 7

(क) समनस्क व अमनस्क जीवों के संवेदन में कोई फर्क पड़ता है?

(ख) वर्गणा में स्थूल व सूक्ष्म का मानदंड क्या है?

(ग) क्या चतुःस्पर्शी भाषा वर्गणा सुनी जा सकती है?

(घ) पुण्यानुबंधी पाप से आप क्या समझते हैं?

(ङ) पाप का बंध कितने गुणस्थान तक है?

(च) योग की उत्पत्ति का तात्त्विक आधार क्या है?

(छ) सिद्धों में संवर क्यों नहीं माना गया?

(ज) समनस्क तिर्यंचों में निसर्ग सम्यक्त्व होती है या अधिगम सम्यक्त्व?

(झ) अकषाय संवर कौन से गुणस्थान से प्रारंभ होता है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) संवर औदारिक शरीर में ही होता है या अन्य शरीर में भी?

(ख) क्या ऐसे भी पुदगल हैं जिन्हें देखकर जीव होने का भ्रम हो जाता है?

(ग) अव्यवहार राशि और व्यवहार राशि क्या है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) नमस्कार पुण्य को अलग क्यों बताया गया है?

(ख) चौरासी लाख जीव योनि क्या है और यह संख्या कैसे बनी?

(ग) मिथ्यात्व के कितने प्रकार हैं?

(घ) क्या सभी सम्यक्त्वी मनुष्यों में संवर होता है और क्या चारों गतियों में संवर होता है?

अमृत कलश भाग–3 (छठा सातवां चषक तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) भाव मंगल से क्या तात्पर्य है?

(ख) श्रावक की सामायिक कितने करण योग से की जाती है?

(ग) सम्यक्त्व किसे कहते हैं?

(घ) क्या अभवी साधु बन सकता है?

(ङ) वंदना किनको की जाती है?

(च) तिरछे लोक में कौन रहते हैं?

(छ) उपाध्याय के पच्चीस गुण कौन से हैं?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दें– 10

(क) वीतराग की शरण लेने का क्या तात्पर्य है?

(ख) तीर्थंकर केवल सिद्धों को ही नमस्कार क्यों करते हैं?

(ग) अभवी के सकाम निर्जरा होती है या अकाम?

(घ) अव्यवहार राशि में किस काय के जीव आते हैं?

(ङ) सिद्धों के साथ रहने वाले एकेन्द्रिय जीवों को भी क्या मोक्ष सुख की अनुभूति होती है?

(च) क्या उपाध्याय पद स्वतः लिया जा सकता है?

(छ) वचन के दस दोष–अंतिम पांच दोष व्याख्या सहित लिखें।

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 15

(क) वीतराग की शरण क्यों स्वीकार की जाती है, जबकि वे हमारा भला बुरा कुछ भी नहीं करते।

(ख) सम्यक्त्व के आचार कितने हैं?

(ग) धर्मस्थान में प्रवेश करने की क्या कोई विधि है?

(घ) बिना त्याग किए ही हिंसा आदि से बचा जा सकता है, व्रत स्वीकार करना क्यों जरूरी है?

(ङ) सिद्धों की उपासना के कौन-कौन से रूप हो सकते हैं?